□□□□ □□□□□
स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □त्रा□□
स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □□□□□

□□□ □□□
अतारांकित प्रश्न □ख□□ : 3061
06 f□□□□, 2019 □□ □□□□□□□□□ प्रश्□ □□ □त□□

ग्रामीण क्षेत्रों म टीबी के मामले

3061. □□. □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□

श्र□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□

श्र□ श्र□□□□ □प□□ □□□□□□

श्री रतनसिह मगनसिह राठौड़ः

श्र□ □□□□□□□□ □□□□□□□

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्र म टीबी के मामलों म वृद्धि खतरनाक दर से बढ़ □□□ □□□□ □ र्□ □□;□□□ विगत तीन वर्षों और चालू वष के दौरान देश म विशेष रूप से दूर-दराज के गांवों और आदिवासी बहुल क्षेत्र म टीबी के कुल कितने मामले सामने आए ह;

(ख) गांवों और आदिवासी क्षेत्रों म टीबी को नियंत्रित करने म विफलता के क्या कारण ह तथा □□□□ □□ नियंत्रित करने म सरकार को किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) क्या सरकार ने टीबी से प्रभावित लोगों के बीच अस्पतालों म इलाज कराने के लिए कोई जागरूकता पैदा को है और यदि हां, □□ □त□बंधी ब्यौरा क्या है और इस अभियान के लिए कितनी निधि आवंट□ □ो □□ □;□

(घ) क्या सरकार ने 2025 से पहले टीबी मुक्त भारत बनाने के लक्ष्य के साथ "□□□□ □□□□□, □□□ □□□□□" अभियान शुरू किया है और यदि हां, □□ □त□बंधी ब्यौरा क्या है और इस दिशा म क्या विभिन्न उपाय किए □□ □□□□;

(□) क□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □स्पतालों म निःशुल्क और उच्च-गुणवत्ता युक्त उपचार उपलब्ध □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □ र्□ □□;□□ □त□□□□ ब□□□□ क□□ □;□□□

(च) क्या निःक्षय पोषण योजना (एनपीवाई) के तहत देश भर म टीबी के इलाज के लिए टीबी रोगियों को □□□□ □□□□□□ □□□□□ प्र□□ □□□ □□□□□ □त्ति□□ दी जाती है और अब तक लाभार्थि यों को संख्या कितनी है और देश भर म टीबी उपचार सेवाओं को सुलभता म सुधर और विस्तार के लिए सरकार द्वारा क्या कदम □□□□ □□ □□□?

<u>□त्□□</u>

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य □त्री□ (श्री□ □श्वि□□ □□□□ □□□)□

(□) : □□□□ □ □□□□ □ो समग्र घटनाओं म वष 2015 □ 217 प्र□□ □□□ □□□□ 2018 □ 19 प्र□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□ 2015 □ 28.4 □□□ □□□□□□ □□ 2018 □ 26.9 □□□ □□ □□□ □□□□□ □ □□ 1990 □□□□ 2016 □□ □□□□ को घटनाओं म 28% □□ □ो □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □ □□स□क्ष□ □ □□□□□ □क्ष□ (□□□□□□) प्राप्त किए ह,

ग्रामीण क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों म □□□□ □□□□□□ □द्र □ो □□□ □□□□ब□□□, □□□□ □□□□□□ □□□□ मामलों को रिपोर्टिंग म वृद्धि हो रही है□

□□	ग्र□□□□ एवं जनजातीय क्षेत्रों म टीबी रोगियों को संख्या	□□□□ □□□□□ों □ो □□ □ख□□
2017	4,70,185	18,27,959
2018	9,05,246	21,52,279
2019 (□□□□ □□)	11,59,329	21,46,288

□□□□ □ □□□□ को समग्र घटनाओं म कमी आई है□ □□श□□□□□□□□ □□□ □ि□□□□ या स्वास्थ्य संस्थानों म निर्दिष्ट माइक्रोस्कॉपी कद्र (□□□□□□) स□□□□□ □□□□□□निणय के अनुसार माइक्रोस्कोपी कद्रों को आसानी से □□□ब□□□ के कारण ग्रामीण क्षेत्रों म □□□□ नियंत्रण का काय तेजी से गति पकड़ रहा है□ □□□□□ □□□□ों □□ □□□□□, □□ □□□□□□ एक लाख आबादी को आवश्यकता को पूरी □□□□ □□□□ □□□□□ों □□ □□□□□□□□ों/पवतीय/दुगम क्षेत्रों □□□□□ □□□□□ ि□□□ □□□ □□□□□50,000 □ो □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ब□ □□□

□□एमसी को कुल संख्या वष 2017 □ 16,600 □□□□□□ □□ □□□ 20,045 □□ □□ □□□

ग्र□□□□ क्षेत्रों म लोगों के लिए तीव्र मालिक्यूलर □स□ को आसान पहुंच के लिए नमूनों □□□ि□□□□ □□ □□□ ि□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ स□□□ □□□□□ कद्र बनाया गया है तथा आवश्यक पैकेजिंग और □□□□□स□□ □□□□□□ □□□ब□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ि□□□□ □□□□□ों, ह□□□ ि□□□ों, □□ □□□□ क्षेत्रों □□□□□ □□□□□□ ज्ञ□□□/□□□□□ □□□□□□ □□□□□न्□ स□□□□□ □□□ □त्रा □□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□ध□□ □स□□□ □ि□□□□ □□□□□ □□□तंत्र स्थापित किया है□

□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ों □ो □□-घर खोज का विशेष सक्रिय मामला खोज □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□

□□ प्रयासों के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों म □□□□□□ □□□□ □□□□□ों □ो □□□ □□ 2017 □ 4,70,185 □□□□□□ □□ 2018 □ 9,05,246 □□□ □□ 2019 □ 11,59329 □□ □□ □□

□□□□ □ क्ष□ □□□ □□□□□ □□ □□□प्त □□□□□□□□ क्ष□ □□□ □त□□□□□□□ों □□ □□□□□□□□ व्यक्त □□□□ हेतु एक मंच प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर के मंच स्थापित किए गए ह□

4 □□□ □□□□□ □□□□□ों □□ □□□□ □□□□ □□□□□ों □□□ □□□□ □□□□□□ प्र□□□□□ □□□ों □□□□□□ □□□□; □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□; □□□□□ □□□ □□इस उद्देश्य के साथ एक मानकोकृत कायक्रम □□ □□ f□□□ □□□ □□□□f□ □□□□ □त□□□□□□□ों □□ प्र□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□/□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □ो □□ □□□

□□□□□□□□ (□□□□□) □□□□□□□ □□140 □□□□ों □ 305 प्र□□□क्षि□ □□□□ चपियनों द्वारा क्षय रोगों □□□□ □□□□ □□90000 से अधिक सदस्यों को □ग्र□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ों □□80000 □□□□□□ क्ष□ रोगियों को रोगी सहायता सेवाएं प्रदान को ह□

□□□□ f□□□□ □ो विकद्रित □□□प्र□□□□ □□□□□□□□□ □□, □□ □□□क्र□ □□□□□ □ □□□f□□ों □□□□ 500 रू□□ □□ '□□□□ □□□□ प्र□त□□□□' □□□ □□□ □□□□ □□□□ (□□□□□□□□) □□□□□ों □□□□□ □□□□□ f□□□□ f□□f□□ □□1500 रू□□ □ो प्र□त□□□□ □□□□ □□□ □ □□□f□□ों □□□□ □□□ प्र□□□□□□ □□□□ (□□ □□□□□□) □□□□□ों □□□□□ 5000 को प्रोत्साहन राशि प्रदान को जा रही है□

इसके अतिरिक्त, आयुष्मान भारत के अंतगत स्थापित सभी स्वास्थ्य एवं आरोग्य कद्रों को स□□□ (□□) □□□□ कद्रों एवं डीओटीएस कद्रों के रूप म निर्धारित किया गया है, जहां से क्षय रोग को औषधि प्राप्त को □□ □□□□ □□

□□□□ □□□□□ □□25 f□□□□, 2019 □□ "□□□□" □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□" □रू f□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ग्र□ □□ □□□ □□(जिसम स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है f□ सभी सरकारी अस्पतालों म "□□□ल□ □□□□□□, □□□ल□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□" □□□ब□ □)□□□□□ f□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ प्रसार हेतु राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है□ मुख्यालय म वष 2019-20 □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □म□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ (□□□□□□□) कायकलापों □□□23.74 □□□□ रू□□ □ो □□□ □□ज□ों □ □□□□□□□ों □□□35.74 □□□□ □ो □□□□□□□□□□□ □ो □□ □□

(□) : □□□□ '□□□□□ □□□ □□□□□□' □□□□□□ □□म्□लिखत उद्देश्य के साथ हाल ही म प्रारंभ किया गया □□:

- □□ग्र □□□ला पहचान हेतु समाज म स्वास्थ्य □□□द्धि व□□□□□ □□ □□□□□ □□□

- □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□

□□ष्ट्री□ □□□नीति गति प्रदायक योजना म '□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□' अभियान के अंतगत निम्नलिखित □□□ □□□□□ □:

i. □□□□□□□□ □□□□□
ii. □□□□□□ □□□□□□□
iii. स्वास्थ्य एवं आरोग्य कद्र तथा क्ष□□□□
iv. □□□ □त्र□□□□ □□□□□
v. निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को भी शामिल करना
vi. □□□ि□□ क्षेत्र □□ □□□□□ □□□□
vii. □व्यक्त □□□ □क्र□□ प्र□□□□

सस्ती परिचया सुनिश्चित करने के लिए संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग नियंत्रण कायक्रम, रोगी के परिचया □□□ को इच्छा वाले क्षेत्र पर ध्यान दिए बिना, देश म सभी रोगियों को नि:शुल्क उपचार प्रदान करता है। कायक्रम ने ऐसे प्रावधान किए ह जिनके अंतगत निजी क्षेत्र के स्वास्थ्य कद्र भी □□□□□□□ कद्रों के रूप म □□□ □□ □□□□□ □□ क्ष□ □□□□□ं □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□

(□) : □प्रै□, 2018 □□□□□ क्ष□ रोगियों को उनके उपचार को संपूण अवधि हेतु 500 रू को प्रतिमाह □□क्ष□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ ि□□□ □□□□ □□ 30 □क□□□, 2019 □□ □□□□ 28 □□□ लाभार्थीयों को लगभग 450 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है।

यह कायक्रम सरकारी एवं निजी क्षेत्रों म अधिसूचित सभी क्ष□ □□□□□ं □□ □□□t□□□□ □□□□ □□□ □□:□ल□ □□□□□ □□□□ब□ □□□□□ □□□

टीबी परिचया सेवाओं को □□□□□ □□ □□स□ि रत करने हेतु सरकार ने अनेक अन्य उपाय किए ह:-

i. क्षय रोगियों के लक्षणों को सक्रि□ रू□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□च्च जोखिम वाली जनसंख्या म सक्रिय मामला खोज (□□□□□)□
ii. जन स्वास्थ्य प्रतिक्रिया को अधिसूचना एवं प्रावधान म वृद्धि करने हेतु निजी क्षेत्र को लगाना: □□□□ क्षेत्र द्व□□□ भी परिचया लेने के इच्छुक रोगियों को कायक्रम से नि:□ल□ □□□□□ □□□□ □□□□□ं को उपलब्धता सुनिश्चित कर□□ □□□□□□ □□ि □t□□ संघ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्ष□ किए ह जेईईटी (क्ष□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□□क□ प्रयास के माध्य□ □□□□□□□□□-□□□□ □□□□□ता एजसी का कायक्रम प्रारंभ किए गए ह□

iii. शीघ्र निदान सुनिश्चित करने के लिए स[illegible] ([illegible]) संकलन एवं परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करना[illegible] कायक्रम ने सुलभता बढ़ाने के लिए भारतीय डाक से भी समझौता किया है[illegible] स[illegible] स[illegible] [illegible]ो जा रही अन्य व्यवस्थाओं म कुरियर एजसियां, [illegible]

iv. औषधि प्रतिरोध का शीघ्र पता लगाना सु[illegible]श्चि[illegible] त[illegible] [illegible]क[illegible] [illegible]ज्ञ[illegible] के नेटवक म वृद्धि करना[illegible] [illegible]क्र[illegible] [illegible]2018 [illegible]श्चि[illegible] [illegible]क्ष[illegible] ([illegible]) प्रारंभ किया है, [illegible] [illegible]म[illegible] हेतु प्रतिरोध परीक्षण सभी अधिसूचित क्ष[illegible]ों [illegible]

v. [illegible]ों-[illegible] [illegible]रू[illegible] स[illegible] [illegible]क्षे[illegible] [illegible]

vi. [illegible] क्ष[illegible] [illegible] क्ष[illegible] रोगियों को अपने विचार व्यक्त करने हेतु एक मंच प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर के मंच स्थापित किए गए ह[illegible] 4 [illegible] समथकों तथा पुराने क्ष[illegible] [illegible]ों [illegible]क्ष[illegible] रोग के कारण प्रभावित व्यक्तियों के वतमान [illegible]; [illegible]क्षय रोग चपियनों का एक नेटवक स्थापित किया गया है[illegible] [illegible]द्देश[illegible] [illegible] क्ष[illegible] [illegible]त्त[illegible]वितों को प्रभावी क्ष[illegible] [illegible]/ [illegible] मानकोकृत पाठ्यवृत्त [illegible] ([illegible]) [illegible]140 [illegible]ों [illegible] 305 प्र[illegible]क्षे[illegible] [illegible] चपियनों द्वारा क्षय रोगी सहित समाज के 90000 [illegible]स[illegible]ों [illegible]ग्रा[illegible] [illegible]ों [illegible]80000 [illegible] क्ष[illegible] [illegible]ों [illegible] सेवाएं प्रदान को ह[illegible]

vii. [illegible]क्त, आयुष्मान भारत के अंतगत स्थापित सभी स्वास्थ्य एवं आरोग्य कद्रों को स[illegible] ([illegible]) [illegible] कद्रों एवं [illegible]ओटीएस कद्रों के रूप म निर्धारित किया गया है, [illegible]क्ष[illegible] [illegible] औषधि प्राप्त को जा सकती है[illegible]

viii. [illegible]क्ष[illegible], रेलवे और आयुष मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षरों के माध्य[illegible] [illegible] मंत्रालई सहायोग ने कायक्रम को टीबी परिचया सेवाओं पर, नइ कायक्रमों के अंतगत संचालित [illegible]स[illegible]तालों और औषधलायों के माध्य[illegible] [illegible]क्ष[illegible] [illegible]रू[illegible] [illegible] आईईसी कायकलापों के संभावना का भी विस्ता[illegible] [illegible]

****